हिन्दी साप्ताहिक

बतकही

RNI No. UPHIN/2021/82967

वर्ष 3 अंक 52 | फतेहपुर, सोमवार 5 अगस्त 2024 | पृष्ठ 4 मूल्य 1 रूपया

संक्षिप्त सार

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एनसीपी नेता नवाब मलिक को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल आधार पर जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मलिक की ओर से पेश हुए वकील की दलीलों पर गौर किया कि मलिक कई बीमारियों से पीड़ित हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि मलिक की मेडिकल जमानत बॉम्बे हाईकोर्ट में नियमित जमानत याचिका के निपटारे तक वैध रहेगी। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत देने का विरोध नहीं किया और कहा कि अंतरिम चिकित्सा जमानत को स्थायी किया जा सकता है। ईडी ने फरवरी 2022 में भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े मामले में मलिक को गिरफ्तार किया था। मलिक ने हाईकोर्ट से राहत मांगी थी और दावा किया था कि वह कई अन्य बीमारियों के अलावा क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित है। उन्होंने योग्यता के आधार पर जमानत भी मांगी थी। मलिक के खिलाफ ईडी का मामला दाऊद इब्राहिम तथा उसके साथियों के खिलाफ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के तहत दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है।

विवाहिता की मौत के मामले में सास-ससुर गिरफ्तार

सल्टौआ (संवाददाता)। सोनहा थाना क्षेत्र के छितिरगांवा में बृहस्पतिवार को विवाहिता की मृत्यु के मामले में सोनहा पुलिस ने गोंडा जनपद के थाना वजीर गंज गांव राय रुपीपुर तिवारी पुरवा निवासी मृतका के पिता लवकुश तिवारी की तहरीर पर छह ससुरालियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि दहेज में मोटरसाईकिल न मिलने पर बृहस्पतिवार रात करीब 1.30 बजे गला दबाकर उनकी पुत्री की हत्या कर दी गई। जिसमें पति, सास, ससुर व तीन ननद ने यह कृत्य किया। प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया मृतिका के पिता के तहरीर पर ससुर अशोक पाण्डेय, सास उषा देवी, पति राजदेव, ननद रोशनी, काजल व अंजलि के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ससुर और सास को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।

भारत का प्रदर्शन विश्व के लिए आदर्श, देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर: मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को विश्व के लिए आदर्श बताते हुए मंगलवार को कहा कि भारत महामारी के बाद तेजी से पुनरू उच्च आर्थिक वृद्धि की राह पर लौट आया है तथा उनके वायदे के अनुसार, उनके तीसरे कार्यकाल में विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और भारत सधे हुये कदमों से इस ओर बढ़ रहा है और निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा। मोदी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से बजट 2024–25 पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा, मैं जिस बिरादरी से आता हूं, उस बिरादरी की पहचान बन गई है कि चुनाव से पहले जो बातें करते हैं, वो चुनाव के बाद भुला देते हैं, लेकिन मैं उस बिरादरी में अपवाद हूं। इसलिए, मैं आपको याद दिलाता हूं कि मैंने कहा था कि मेरे तीसरे कार्यकाल में देश, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने प्रधानमंत्री के स्वागत भाषण में कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प हुआ है और भारत को विश्व में एक नयी जगह मिली है और भारत आज दुनिया की सबसे तीव्र गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प में उद्योग जगत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुये, इस बजट में रोजगार प्रोत्साहन जैसी योजनाएं लाने के बारे में उद्योग जगत के सुझावों को शामिल किये जाने के प्रति प्रधानमंत्री का आभार जताया। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार जिस बड़े पैमाने और बड़ी रफ्तार से काम कर रही है वह अभूतपूर्व है तथा वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भारत में जो आर्थिक वृद्धि दर और राजकोषीय संतुलन कायम रखा है, वह दुनिया के लिये एक आदर्श है। भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि में 16 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। उन्होंने कहा विश्वास जताया कि उनकी सरकार ने 10 वर्ष में जो सुधार किये हैं, वे अर्थव्यवस्था को विकसित भारत की तरफ ले जा रहे हैं और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। प्रधानमंत्री ने भारतीय उद्योग जगत को विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के प्रयास में सरकार के साथ न केवल कंधा से कंधा मिलकर काम करने बल्कि सरकार के साथ प्रतिस्पर्धा कर सरकार को पीछे छोड़ने का आह्वान किया। मोदी ने कहा, आज भारत आठ प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि कर रहा है, आज हम विकसित भारत की ओर प्रयाण की बात कर रहे है। वह दिन दूर नहीं, जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जायेगा। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2014 में पहली बार सत्ता संभाली थी, तब प्रश्न था कि अर्थव्यवस्था को कैसे पटरी पर लायें। उससे पहले भारत को पांच दुर्बल अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और उस समय के सरकार के बड़े–बड़े घोटालों की चर्चा होती थी। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को महासंकट से उबारकर हम इस ऊंचाई पर लाये हैं। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार का आखिरी बजट 16 लाख करोड़ रुपये का था, आज वह तीन गुना होकर 48 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। इसी तरह, 2004–14 के बीच पूंजीगत बजट सालाना 90 हजार करोड़ रुपये से दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, हमारी सरकार में कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) पांच गुना बढ़कर इस बार के बजट में 11 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमने कर की दरों में रिकॉर्ड कटौती करने के बावजूद, रेलवे, सड़क और अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र के लिये पूंजीगत व्यय बढ़ाया है। उन्होंने कहा, बात केवल कर घटाने, पूंजीगत व्यय बढ़ाने की ही नहीं बल्कि सुशासन की भी है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में दुनिया की सबसे बड़ी महामारी का संकट आया। कई देशों में बड़ी लड़ाइयां छिड़ीं और देश में सूखा तूफान तथा भूकंप जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाएं आयीं।

सीएम केजरीवाल की बीमारी का जिक्र कर मंच पर ही भावुक हुए सीएम भगवंत मान, 'ऐसी हालत में भी वह...

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ व जेल में बिगड़ती तबीयत को लेकर इंडिया गठबंधन की रैली आज जंतर मंतर पर की गई। इस दौरान इंडिया गठबंधन के नेताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान भावुक हो गए।

भगवंत मान ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि हमने मोटर साइकिल चोर सुने थे, हमने स्कूटर चोर भी सुने थे, वीसीआर चोर गिरोह भी होते थे। लेकिन बीजेपी ऐसी है जो पार्टियां चुराती है। शिवसेना का तीर–कमान चुरा लिया। शरद पवार की घड़ी चुरा ली। चौटाला की दो चप्पलें चुरा लीं। जो उनके साथ आता है उनको खा जाते हैं। पूरी अकाली दल खा गए। इसलिए इनसे बचो, ये पार्टियां खाते हैं। ये बंदे नहीं खाते हैं। आगे भावुक होते हुए भगवंत मान ने कहा, पिछले 25 साल से डायबिटीज के मरीज हैं। मैं उनके साथ ट्रैवल करता हूं। खाने से पहले उनको चेक करना पड़ता है कि कितनी डायबिटीज है, तब खाना खाते हैं। वर्ना पेट में टीका लगाना पड़ता है। ऐसी हालत में भी यह बंदा देश के लिए लड़ रहा है। उस बंदे ने राजनीति की दशा दिशा ही बदल कर रख दी। बीजेपी पर आगे हमला करते हुए भगवंत मान ने कहा,सीएम केजरीवाल जहां जाते हैं वहां बीजेपी का सूपड़ा साफ हो जाता है। इसलिए उनको जेल में डाल दिया। इनकी जमानत होने वाली है तो बीजेपी ने नया पर्चा डा दिया, क्या करेंगे, कौन से वकीलों के पास जाएं हम। क्या करें हम। पूरा देश यह सवाल पूछ रहा। क्या कसूर है उनका।

सावन में जेठ जैसी गर्मी, खेतों में पड़ने लगीं दरारें

बस्ती (संवाददाता)। सावन के महीने में जेठ जैसी धूप, गर्मी व उमस से लोग परेशान हैं। कुछ दिनों से मानसून के रुठने के कारण धान के खेतों में दरारें पड़ने लगी हैं। इससे किसान चिंतित से हरियाली गायब होने लगी तापमान सामान्य से 3 डिग्री दर्ज किया गया। मानसून मौसम विभाग ने पूर्वानुमान ाक बारिश की संभावना व्यक्त

हैं। पानी के अभाव में फसल है। सोमवार को अधिकतम अधिक 36 डिग्री सेल्सियस सत्र शुरू होने से पहले जारी कर औसत से अधि कर चुका है। इसके आधार पर तमाम काश्तकारों ने बीते वर्ष की तुलना में अधिक रकबे में धान की रोपाई की है। बारिश न होने से अब वह चिंतित दिख रहे हैं। फसल की सिंचाई करनी पड़ रही तो उनकी लागत में भी इजाफा हो रहा है। नहरों में पानी नहीं है और राजकीय नलकूप खराब पड़े हैं। बिजली की अघोषित कटौती चल रही है। ऐसे में सिंचाई के सस्ते माध्यम भी मानसून की तरह दगा दे रहे हैं। आषाढ़ का महीना खत्म हो चुका है और सावन चल रहा है। फिर भी बारिश न होना चिंता बढ़ा रही है। सोमवार को आर्द्रता 90 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विज्ञानी डॉ. अमर नाथ मिश्र ने बताया कि मानसून भटक गया है। 48 घंटों में इसके पटरी पर आने की संभावना दिख रही है।

सम्पादकीय

आरक्षण भारतीय राजनीति की धुरी

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जब भारतीय संविधान में आरक्षण के प्रावधान को शामिल किया था, तब उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि आरक्षण एक समय भारतीय राजनीति की धुरी बनकर राजनेताओं के लिए एक ऐसा अमोघ मंत्र बन जाएगा, जिसका इस्तेमाल किसी के कल्याण के लिए कम और किसी को परास्त करने के लिए ज्यादा किया जाएगा। आज आरक्षण के पीछे किसी पिछड़े या वंचित समाज के कल्याण की भावना कम और राजनीतिक स्वार्थ अधिक दिखती है। सही मायने में आज आरक्षण राजनीति का झुनझुना बन गया है, जिसे चुनाव जैसे विशेष मौकों पर जनता को रिझाने के लिए बजाया जाता है। बहरहाल, आरक्षण एक बार फिर चर्चा में है। आरक्षण को लेकर चर्चा के केंद्र बिंदु में है कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने निजी क्षेत्र की नौकरियों में कन्नड़ लोगों के लिए 100 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश् पर पहले एक पोस्ट की थी, जिसे बाद में उन्होंने हटा लिया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया था, जिसमें कहा गया है कि कैबिनेट ने कर्नाटक में निजी उद्योगों और अन्य संगठनों में प्रशासनिक पदों के लिए 50 प्रतिशत और गैर–प्रशासनिक पदों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण तय करने वाले विधेयक को मंजूरी दी। सिद्धारमैया ने पोस्ट में कहा था, श्हमारी सरकार की इच्छा है कि कन्नड़ लोगों को अपनी जमीन पर आरामदायक जीवन जीने का अवसर दिया जाए हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। हमारी प्राथमिकता कन्नड़ लोगों के कल्याण का ध्यान रखना है। उन्हें कन्नड़ भूमि में नौकरियों से वंचित होने से बचाया जाए। हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। हमारी प्राथमिकता कन्नडिगास के कल्याण की देखभाल करना है। जब उनके इस पोस्ट पर इस पर हर तरफ छीछालेदर होने लगा। विरोध में प्रतिक्रियाएं आने लगीं, तो दो दिन बाद उन्होंने सोशल मीडिया श्एक्सश् प्लेटफॉर्म पर से पिछली पोस्ट हो हटाकर उसमें बदलाव कर दिया। कर्नाटक सरकार ने फिलहाल इस पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि कर्नाटक सरकार इस बिल पर पुनर्विचार करेगी, लेकिन यहां मौजू सवाल यह है कि आखिर इसकी जरूरत ही क्यों पड़ी। इसके पीछे सरकार की मंशा क्या है? कहीं आरक्षण की आड़ में देश के संघीय ढांचे को ध्वस्त करने की कोशिश तो नहीं की जा रही? अगर नहीं, तो अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए देश की एकजुटता और अखंडता पर प्रहार क्यों किया जा रहा है। आमतौर पर इस तरह की कोशिश क्षेत्रीय दल की सरकार में की जाती है, क्योंकि क्षेत्रीय दल अपने को उस राज्य के प्रति ज्यादा उत्तरदायी समझते हैं, जहां उनकी सरकार होती है। हालांकि इस तरह की सोच भी देश के संघीय ढांचे के लिए खतरनाक है। फिलवक्त कर्नाटक में तो कांग्रेस की सरकार है, फिर सिद्धारमैया सरकार ने ऐसी संकीर्ण मानसिकता क्यों दिखाई। जाहिर तौर पर इससे राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ेगा, लेकिन यहां चिंता का विषय कांग्रेस का नुकसान नहीं, अपितु राष्ट्र का और देश के संघीय ढांचे के नुकसान को लेकर है। अगर सभी राज्य सरकारें अपनी मर्जी की मालिक हो जाएंगी, तब तो देश का स्वरूप ही बिखर जाएगा। देश है, देश का एक स्वरूप है, उसकी अस्मिता है, तभी आरक्षण है। यह कहना गलत न होगा कि भारत में आरक्षण की व्यवस्था सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को समृद्ध बनाने के लिए हुई थी, मगर समय के साथ आरक्षण वोट बैंक की राजनीति का शिकार बनती चली गई और अब तो स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि आरक्षण की आंच देश की संघीय व्यवस्था पर भी आने लगी है। किसी राज्य में आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए देश के स्वरूप और उसके संघीय ढांचे को ध्वस्त नहीं किया जा सकता। यह सहज ही समझा जा सकता है कि जब सभी राज्य सिर्फ अपने प्रदेश के लोगों को नौकरी देने लगेंगे। वहां के प्राइवेट सेक्टर में सिर्फ उसी राज्य के लोगों को रखा जाने लगेगा, तब भारत एक संघ रह जाएगा क्या? इसलिए राजनीतिक दलों और राज्य की सरकारों को यह जरूर सोचना होगा कि वे अपने प्रदेश के विकास की बात जरूर सोचें, प्रयास जरूर करें कि प्रदेश के लोगों को अपने ही राज्य में रोजी–रोजगार मिले, किंतु इसका भी ख्याल रखें कि देश की समावेशी संस्कृति को नुकसान न पहुंचे। क्या कहता है भारतीय संविधान भारतीय संविधान के भाग तीन में समानता के अधिकार की भावना निहित है। इसके अंतर्गत अनुच्छेद 15 में प्रावधान है कि किसी व्यक्ति के साथ जाति, प्रजाति, लिंग, धर्म या जन्म के स्थान पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। अनुच्छेद 15(4) के मुताबिक यदि राज्य को लगता है तो वह सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष प्रावधान कर सकता है। वहीं, अनुच्छेद 16 में अवसरों की समानता की बात कही गई है। अनुच्छेद 16(4) के मुताबिक यदि राज्य को लगता है कि सरकारी सेवाओं में पिछड़े वगरे को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है तो वह उनके लिए पदों को आरक्षित कर सकता है। वहीं, अनुच्छेद 16(4 ए) के अनुसार, राज्य सरकारें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के पक्ष में पदोन्नति के मामलों में आरक्षण के लिए कोई भी प्रावधान कर सकती हैं, यदि राज्य की राय में राज्य के अधीन सेवाओं में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, लेकिन इन सबके पीछे संविधान ऐसा कुछ करने की इजाजत नहीं देता जिससे देश की अस्मिता, एकता और अखंडता पर खतरा उत्पन्न हो। आरक्षण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सबसे पहले विलियम हंटर और ज्योतिराव फुले ने 1882 में मूलतरू जाति–आधारित आरक्षण पग्राली का विचार प्रस्तुत किया था। आज जो आरक्षण पग्राली लागू है, वह सही मायने में 1933 में लागू की गई थी, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैकडोनाल्ड ने श्कम्युनल अवार्डश् प्रस्तुत किया था। इस निर्णय में मुसलमानों, सिखों, भारतीय ईसाइयों, एंग्लो–इंडियन, यूरोपीय लोगों और दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका का प्रावधान किया गया । लंबी चर्चा के बाद महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 'पूना पैक्ट, पर हस्ताक्षर किए, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि एक ही हिन्दू निर्वाचन क्षेत्र होगा, जिसमें कुछ आरक्षण होंगे।

पानी के लिए महिलाओं को दिन भर खटना

Hkkjr Mkxjk

हाल के विकास कार्यक्रमों में हर घर जल की योजना विशेष तौर पर चर्चित रही है, विशेकर दूर–दूर के गांवों के संदर्भ में। इन गांवों के परिवारों और विशेषकर महिलाओं के समय का एक बड़ा भाग परिवार की पानी की जरूरतों को पूरा करने में ही जाता रहा है। दिन भर प्रयास करने के बाद भी कई बार पानी जैसी बुनियादी जरूरत की आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाती थी और गर्मी के दिनों में तो जैसे जल–संकट का हाहाकार ही मच जाता था। इस स्थिति में जब भारत सरकार ने हर घर में नल का जल पंहुचाने की समयबद्ध योजना आरंभ की तो स्वाभाविक ही था कि इस योजना से बहुत उम्मीदें जुड़ गई। आज स्थिति यह है कि कहीं इस जल जीवन मिशन की उपलब्धि का उत्साह है तो कहीं अनेक समस्याओं को लेकर चिंता भी है। उपलब्धि और कठिनाइयों के बीच गांव किस स्थिति में है, यह जानने के लिए इन पंक्तियों के लेखक ने हाल में निवाड़ी जिले (मध्य प्रदेश) के अनेक गांवों का दौरा किया। यह बुंदेलखंड क्षेत्र, विशेषकर गर्मियों के दिनों में, जल–संकट के लिए चर्चा में रहा है। यह सर्वेक्षण भीषण गर्मी के दिनों में किया गया और मौसम सुधरने पर इससे बेहतर स्थिति सामने आएगी। इस क्षेत्र में सुखद स्थिति यह है कि गांव–स्तर की जल समितियों के स्तर पर अनेक गांववासी खुल कर अपनी समस्याओं को उठा रहे हैं। इस क्षेत्र में परमार्थ संस्था ने 'जल सहेली, महिला कार्यकर्ताओं के माध्यम से जल के मुद्दे पर जागरूकता फैलाई है और ग्राम सभाओं तथा पंचायतों में भी उनके विचारों को अधिक महत्त्व मिलने लगा है। इस तरह पानी के मुद्दे पर जनसक्रियता बढ़ी है और लोगों की समस्याओं के समाधान की संभावना बढ़ी है। जल–जीवन मिशन के अंतर्गत जब पाइपलाइनों को बिछाया गया, नल लगाए गए तो इस जागरूकता के कारण लोग बेहतर ढंग से गलतियों को रोक सके और स्थानीय ज्ञान के आधार पर बेहतर व्यवस्था कर सके। बहेरा गांव में यह सक्रियता अधिक है और अधिकांश परिवारों के नल लग गए हैं, पानी भी पहुंचने लगा है, फिर भी लगभग 12 प्रतिशत घरों में अभी पानी आना शेष है। ऊंचाई में पानी पंहुचाने में कठिनाई है, और स्कूल में भी। स्कूल के बोर में पानी गर्मी के चरम के दिनों में समाप्त हो गया और पास के एक अन्य कुएं में भी समाप्त हो गया। जिन गांवों में पानी आता है, सुबह आधे घंटे आता है। भीषण गर्मी के कारण यह गर्म होता है और पिया नहीं जाता। अतरू पीने के लिए अनेक परिवार इस समय भी कुएं या हैंडपंप से ही पानी लाते हैं। नामापुरा गांव में अधिकांश घरों में पानी पहुंच रहा है पर ऊंचाई वाली बस्ती में अभी नहीं पहुंचा है। यहां पानी ले जाने के लिए तैयारी चल रही है। दो परिवारों ने कहा कि उनके नल भी नहीं लगे क्योंकि उनके घर पाइपलाइन की राह से कुछ हट कर हैं। नामापुरा गांव में नल में जो पानी आ रहा है, वह स्वच्छ नहीं है और लोग इसे पीने के लिए उपयोग में नहीं लाते। वे योजना बना रहे हैं कि टंकी संचालक के पास जाकर पता लगाएं कि गंदा पानी क्यों भेजा जा रहा है। इस तरह गांव अभी पहले के स्रेतों पर ही पेयजल के लिए आश्रित हैं पर इसमें एक बड़ी समस्या यह है कि इस पानी को पीने से पथरी की समस्या उत्पन्न हो रही है। गांववासियों ने बताया कि पांच–छह लोगों का पथरी का ऑपरेशन हो चुका है। पथरी से जुड़े दर्द और परेशानी की शिकायतें तो इससे कहीं अधिक लोगों को है और डॉक्टरों ने बताया है कि पानी के दूषित होने के कारण ऐसा हो रहा है। अब आगे गांव को तैयारी यह करनी है कि कम से कम नई पाइपलाइन का पानी स्वच्छ मिले जिससे वे पेयजल की आवश्यकताएं इससे पूरी कर सकें। चुरारा गांव में विभिन्न मुहल्लों में स्थिति भिन्न है जहां दलित, आदिवासी और कुशवाहा मोहल्लों में अधिक समस्याएं हैं। कुछ कुशवाहा परिवारों ने नल को उतार दिया है क्योंकि उनके अनुसार जब पानी ही नहीं आ रहा है तो इसे क्यों रखें पर कुछ अन्य मोहल्लों में स्थिति बेहतर है। कुछ लोगों ने कहा कि गर्म पानी पिया नहीं जाता। पहले मटके में रखना पड़ता है। फिर बाद में पी सकते हैं। पानी रोज नहीं आता है। सेन्री गांव में दो दलित मोहल्लों में अभी पाइपलाइन और नल पहुंचे ही नहीं हैं। अन्य मोहल्लों में जहां नल लग गए हैं,

महाराष्ट्र के राजभवन में 'तमिलनाडु के मोदी'

me'k prohnh

1998 और 1999 के आम चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार के रूप में तमिलनाडु की कोयंबटूर सीट से लोकसभा पहुंच चुके सीपी राधाकृष्णन को दक्षिण भारतीय जहां सीपी के नाम से जानते हैं, वहीं उत्तर भारत में अब वे राधा जी के नाम से भी जाने जाते हैं। राजनीति के केंद्र में स्थापित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व विराट होकर उभरा है, इसके साथ यह भी सच है कि उनकी खास पहचान उनकी दाढ़ी है। साल 2013 में जब बीजेपी ने मोदी को प्रधानमंत्री पद का अपनी ओर से दावेदार बनाया था, उन्हीं दिनों एक तमिल टीवी पर चर्चा में तमिलनाडु के बीजेपी का एक चेहरा भी शामिल हुआ था। उस नेता ने अपनी पार्टी का दमदार तरीके से पक्ष रखा। उसका कार्यक्रम का ऐसा प्रभाव रहा कि उन्हें दर्शकों ने तमिलनाडु के मोदी के रूप में पुकारना शुरू कर दिया। तमिलनाडु के वही मोदी अब महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। जी हां, आपने ठीक समझा, तमिलनाडु के लोग सी पी राधाकृष्णन को तमिलनाडु के मोदी के रूप में भी जानते हैं। 1998 और 1999 के आम चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार के रूप में तमिलनाडु की कोयंबटूर सीट से लोकसभा पहुंच चुके सीपी राधाकृष्णन को दक्षिण भारतीय जहां सीपी के नाम से जानते हैं, वहीं उत्तर भारत में अब वे राधा जी के नाम से भी जाने जाते हैं। शुद्ध शाकाहारी और पूजा–पाठ में श्रद्धा रखने वाले सीपी राधाकृष्णन को पहली बार महत्वपूर्ण राजकीय पद साल 2023 में मिला, जब उन्हें मोदी सरकार ने झारखंड का राज्यपाल मनोनीत किया। 12 फरवरी 2023 का दिन उनके लिए खुशी और निराशा, दोनों का मौका बनकर आया। जब मोदी सरकार ने उन्हें खनिज और प्राकृतिक संपदा से भरपूर झारखंड राज्य का राज्यपाल का दायित्व मिलना मामूली बात नहीं, लेकिन 66 साल की उम्र राजनीति में बहुत ज्यादा नहीं मानी जाती। सीपी इस बात से किंचित निराश थे कि अब उन्हें सक्रिय राजनीति से दूर होना पड़ेगा। वैसे सीपी की दिली चाहत सक्रिय राजनीति में रहते हुए महत्वपूर्ण राजनीतिक दायित्व को निभाना रहा है। सीपी राधाकृष्णन की बीजेपी की राजनीति में क्या अहमियत है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीते आम चुनावों से ठीक पहले जब तेलंगाना की राज्यपाल तमिलसाई सोंदरराजन ने इस्तीफा देकर चेन्नई से चुनाव लड़ने का फैसला किया तो तेलंगाना के राज्यपाल का प्रभार सीपी को ही मिला। इतना ही नहीं, उन्हें पुदुचेरी के उपराज्यपाल की भी जिम्मेदारी दी गई। एक साथ तीन–तीन राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी बहुत कितने लोगों को मिल पाई है? सीपी राधाकृष्णन का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां कांग्रेस का बोलबाला था। उनके चाचा कोयंबटूर से कांग्रेस के लोकसभा सदस्य रहे। सीपी बताते हैं कि पहली बार वे दिल्ली अपने चाचा के पास ही आए थे और उनके घर पर रहकर ही दिल्ली देखी थी। चार मई 1957 को तमिलनाडु के त्रिपुर में जन्मे राधाकृष्णन कांग्रेसी पारिवारिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद कांग्रेस की बजाय समाजवादी युवा आंदोलन से जुड़े। जनता पार्टी के दौर में तमिलनाडु में पार्टी अध्यक्ष रहे इरा सेझियन से सीपी राधाकृष्णन का गहरा नाता रहा। 1983 की जनवरी में तत्कालीन जनता पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर ने भारत यात्रा शुरू की थी। तब तमिलनाडु में उनकी यात्रा से जुड़े आयोजनों की व्यवस्था में 28 वर्षीय युवा सीपी ने अहम भूमिका निभाई। तब चंद्रशेखर की उन पर नजर पड़ी। बाद में रोजगार के लिए होजरी के कारोबार से जुड़े सीपी का नाता शरद यादव से भी रहा। राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार के दौरान शरद यादव कपड़ा राज्यमंत्री थे। उन दिनों उन्होंने कोयंबटूर का दौरा किया था, तब शरद यादव के लिए सीपी ने भोज दिया था। बाद के दिनों में सीपी भाजपा से जुड़ गए और देखते ही देखते भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बना दिए गए। उनकी अध्यक्षता में ही बीजेपी ने 1998 और 1999 का चुनाव लड़ा और चार सीटों पर जीत हासिल की। पहली बार जहां पार्टी का जयललिता की एआईडीएमके से समझौता था तो दूसरी बार डीएमके के साथ पार्टी चुनाव मैदान में उतरी। यह बात और है कि उन्हें बाद में चुनावी जीत हासिल नहीं हो पाई। 2004, 2014 और 2019 के चुनावों में उन्हें पार्टी ने लगातार कोयंबटूर से उम्मीदवार बनाया, लेकिन हर बार उन्हें हार ही मिली। सिर्फ 2009 में उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। सीपी राधाकृष्णन की अब व्यस्तता बढ़ गई है। अन्यथा दिल्ली में सांसद रहने के दौरान उनका घर सबके लिए खुला रहता था। सीपी राधाकृष्णन के पिता जी बेहद सहज थे। वे जीवन बीमा निगम के लिए काम करते थे। उनकी पत्नी गृहिणी हैं, जबकि बेटा मानचेस्टर से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग करके कोयंबटूर में पारिवारिक होजरी और स्पिनिंग प्रोडक्शन का कारोबार देखता है।

रास्ता बदल दीजिए... सील हो गया बस्ती-अयोध्या हाईवे

बस्ती (संवाददाता)। बस्ती से अयोध्या तक हाईवे सोमवार की सुबह से सील हो जाएगा। ट्रक, बस जैसे भारी वाहन नहीं चलने पाएंगे। कार–जीप तक की मनाही है। बस्ती पॉलिटेक्निक और कांटे से रूट डायवर्ट कर दिया गया है। कुछ लोकल छोटे वाहनों को पहले दिन आने–जाने में सहूलियत मिल सकती है। मगर, कांवड़ियों की पैदल यात्रा शुरू होते ही इनका भी आवागमन ठप हो जाएगा। सोमवार से हाईवे पर कांवड़ियों का बम–बम होने लगेगा। इस बार कांवड़ मेले में पांच लाख से अधिक शिवभक्तों के पहुंचने का अनुमान है। सर्वाधिक कांवड़िएं बाबा भद्रेश्वरनाथ धाम पहुंचते हैं। श्रावण शिवरात्रि के दिन आधी रात से जलाभिषेक यहां आरंभ हो जाता है। मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था चौकस की जा रही है। मजबूत बैरिकेडिंग के साथ मंदिर सहित पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में किया जा रहा है। मेला परिक्षेत्र में 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। ड्रोन कैमरों की अलग से व्यवस्था की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से गोरखपु–लखनऊ हाईवे और कांवड़ मार्ग की अन्य सड़कों को शिवभक्तों के लिए आरक्षित किया जा रहा है। जहां पर संपर्क मार्ग या गली–मोहल्लों का जुड़ाव है वहां भी बैरिकेडिंग की जा रही है। मंदिर से 6 किमी के दायरे में 10 बैरियर प्वाइंट भद्रेश्वरनाथ मंदिर के छह किमी दायरे में 10 बैरियर प्वाइंट चिह्नित किए गए हैं। पुराना डाकखाना चौराहा, आडोटेरियम तिराहा, चेतक तिराहा, जेल गेट तिराहा, सोनूपार तिराहा, डारीडीहा तिराहा, डारीडीहा से गडगोडिया कांशीराम आवास वाले रोड पर, मोहटा कुआनो पुल के पास, राजा चक मोड डारीडीहा से पहले, भदेश्वर नाथ मंदिर के बगल में देवराव मार्ग पर बैरियर लगाए जाएंगे। मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को हाईटेक किया गया है। कैमरों की मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जाएगी। आज से फोरलेन पर दिखेंगे कांवड़िएं सोमवार से कांवड़ियों का जत्था अयोध्या के लिए कूच करने लगेगा। अयोध्या में सरयू का जल लेकर शिवभक्त नंगे पैर पदयात्रा देर शाम से प्रारंभ कर देंगे। अगले दिन मंगलवार तक कांवड़ियों की यात्रा हरैया कस्बा पार होने की उम्मीद है। इसी दिन शाम तक बस्ती से अयोध्या तक हाईवे पर सिर्फ कांवड़ियां ही नजर आएंगे। इस यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। शुरुआत में कांवड़ियों के लिए हाईवे के दक्षिणी लेन को रिजर्व रखा जाएगा। 20 स्थानों पर रिजर्व रहेगी फोर्स अयोध्या बॉर्डर से लेकर बाबा भद्रेश्वरनाथ मंदिर तक 20 से अधिक स्थानों पर पुलिस फोर्स रिजर्व रखी गई है। हाईवे पर पड़ने वाले सभी ओवरब्रिज की सर्विस रोड पर भी बैरियर लगाकर पुलिस की तैनाती की जाएगी ताकि हाईवे पर आने वाले वाहनों को रोका जा सके। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में है। सोमवार से बड़ी गाड़ियों के लिए रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। कांवड़ मार्ग पर खुले में मांस–मछली की बिक्री बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखी जाएगी।–कृष्ण गोपाल चौधरी, एसपी कांवड़ मार्ग की विशेष सफाई कराई जा रही है। अमहट से लेकर भद्रेश्वरनाथ धाम तक प्रकाश की व्यवस्था रहेगी। कैमरों से मेला क्षेत्र की निगरानी की जाएगी। हाईवे के सभी सीएचसी–पीएचसी और मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम हर समय मौजूद रहेगी। कांवड़ यात्रा में किसी तरह का व्यवधान नहीं आने दिया जाएगा।

जन आरोग्य मेले में त्वचा रोगियों की रही भीड़

बस्ती (संवाददाता)। रविवार को सभी पीएचसी–सीएचसी मे जन आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। इसमें त्वचा संबंधित बीमारी से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। भानपुर जन आरोग्य मेले में रविवार को सीएचसी पर ज्यादातर मरीज त्वचा संबंधी परेशानी, दाद–खाज, फोड़ा व फुंसी सहित वायरल से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। डॉ. कुमकुम राय ने बताया कि उमस भरी गर्मी में बचाव पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे में मौसम में त्वचा संबंधी विकार अधिक होते हैं। स्वच्छ व ठंडे पानी से सुबह–शाम स्नान करना चाहिए। सल्टौआ संवाद के अनुसार, सीएचसी पर आरोग्य मेले में 24 मरीज पहुंचे। डॉ. अफाक अहमद ने बताया कि ज्यादातर मरीज बुखार व पेट दर्द के आए। वाल्टरगंज संवादके अनुसार, आरोग्य मेले में 25 मरीजों की जांच की गई। ज्यादातर मरीज त्वचा, वायरल फीवर, डायरिया से पीड़ित रहे। बनकटी संवाद के अनुसार, डॉ. कुमकुम राय ने ओपीडी में मरीजों की जांच कर दवाएं दीं।

आत्महत्या के लिए उकसाने पर पत्नी व उसके प्रेमी पर केस

पैकोलिया (संवाददाता)। 20 जुलाई को सुमही स्थित रेलवे ट्रैक पर सांवडीह निवासी नंदलाल की लाश मिली थी। उसके बड़े भाई राम उजागिर की तहरीर पर पुलिस ने उसकी पत्नी व प्रेमी पर केस दर्ज किया है। आरोप है कि पत्नी प्रेमी के साथ मिलकर अश्लील वीडियो व फोटो बनाकर पति के मोबाइल पर भेजते थे। इससे तंग आकर पति ने खुदकुशी कर ली। गौर थाना क्षेत्र के सांवडीह निवासी राम उजागिर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके छोटे भाई नंद लाल की शादी 2020 में छावनी क्षेत्र के धिरौली बाबू गांव के निरंजन यादव की पुत्री रेखा से हुई थी। कुछ दिन पहले रेखा मायके के पटीदारी में शादी में शामिल होने के बहाने घर का सारा जेवरात और पति का चेन–अंगूठी लेकर चली गई। मायके पहुंचने के बाद छावनी क्षेत्र के बटौली गांव निवासी लल्लू यादव के साथ मिलकर अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर उनके भाई नंदलाल के मोबाइल पर भेजती रहती थीं। बार–बार मोबाइल पर अपनी पत्नी का किसी और के साथ अश्लील वीडियो व फोटो देखकर नंदलाल तनाव में चला गया। 20 जुलाई को वह रात 10 बजे सुमही रेलवे केबिन के पश्चिम ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली। इससे पूर्व उसने पत्नी से बात की थी। उसकी मौत के बाद जब परिजनों ने उसका फोन देखा तो सारा मामला समझ में आया। राम उजागिर ने बताया कि नंदलाल को आत्महत्या के लिए उकसाने की जिम्मेदार उसकी पत्नी रेखा व प्रेमी लल्लू यादव हैं। थानाध्यक्ष रामफल चौरसिया ने बताया कि नंदलाल के बड़े भाई की तहरीर पर रेखा व लल्लू पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

परिजनों ने कब्र पर डाला कपड़ा, श्मशान में जमा हो गई भीड़

भानपुर (संवाददाता)। श्मशान में दफन सर्पदंश से मृत युवक की कब्र पर सफेद चादर डालने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। किसी ने अफवाह फैला दी कि युवक को जिंदा करने के लिए बंगाली बाबा आ रहे हैं, जो झाड़–फूंक कर उसे फिर से जिंदा करेंगे। हालांकि, युवक के परिजनों ने इससे इन्कार करते हुए बताया कि कफन का कुछ कपड़ा बच गया था। उसे रविवार को उसकी कब्र पर ओढ़ा दिया था। रविवार की सुबह करीब 8:30 बजे क्षेत्र में अफवाह फैली की सोनहा क्षेत्र के छपियाखास गांव के सिवान में श्मशान में बंगाली बाबा आ रहे हैं, जो 21 जुलाई को सर्पदंश से जान गंवाने वाले छपियाखास निवासी युवक जीतू को फिर से जिंदा करेंगे। देखते ही देखते छपियाखास गांव के सिवान में भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंचे असनहरा चौकी प्रभारी जयशंकर पांडेय ने देखा तो श्मशान में न कोई बाबा दिखा और न ही जीतू के परिवार का कोई सदस्य। चौकी प्रभारी जीतू के घर पहुंचे और इस बारे में पूछताछ की। राजू गौतम ने बताया कि 21 जुलाई की रात को उनके 18 वर्षीय बेटे जीतू की छत पर सोते समय सर्पदंश से मौत हो गई थी। उसके शव को दफनाने के लिए लाए गए कफन का कुछ कपड़ा बच गया था तो परिजनों ने कहा कि इसे ले जाकर कब्र पर डाल आओ। उसी कपड़े को कब्र को ओढ़ा आया हूं। अब क्षेत्र में अफवाह किसने फैलाया इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। असनहरा चौकी प्रभारी ने बताया कि जांच की गई, लेकिन किसी बंगाली बाबा के आने की जानकारी नहीं मिली। क्षेत्र में किसी ने अफवाह फैला दी, जिसके कारण बड़ी संख्या में भीड़ हो गई थी। सभी को मौके से हटा दिया गया है।

कांवड़ यात्रा : शहर के भीतर 31 जुलाई की रात से होगा डायवर्जन

बस्ती (संवाददाता)। फोरलेन के साथ ही कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने पर शहर के अंदर भी कई मार्ग डायवर्ट किए जाएंगे। 31 जुलाई बुधवार की शाम से इसे लागू किया जा सकता है। कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए अधिकारी अंतिम फैसला लेंगे। एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि अभी कांवड़ियों की भीड़ शहर की तरफ नहीं है। इसलिए शहर में डायवर्जन का निर्णय 31 जुलाई को लिया जाएगा। शहर क्षेत्र में बडेबन से शहर की तरफ आने वाले भारी वाहनों को बडेवन से टोल प्लाजा होते हुए पटेल चौक से पचपेड़िया मार्ग से गंतव्य को प्रस्थान करेंगे। ब्लॉक रोड–बड़ेवन से आने वाले छोटे वाहनों को ब्लॉक रोड से रौता की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। फव्वारा तिराहा–कंपनीबाग की तरफ आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को मालवीय रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। दीवानी कचहरी चौराहा– शास्त्री चौक की तरफ से आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को न्याय मार्ग होते हुए कटरा की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। मालवीय तिराहा–गांधीनगर की तरफ आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को मालवीय रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। रौता चौराहा–मालवीय तिराहा से फव्वारा की तरफ आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को ब्लाक रोड पर डायवर्ट किया जाएगा। रोडवेज तिराहा–मालवीय तिराहा की तरफ आने वाले भारी वाहनों को पचपेड़िया रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा जो पचपेड़िया रोड होते हुए पटेल चौक से गंतव्य को प्रस्थान करेंगे। अस्पताल चौराहे से आने वाले वाहनों को सोनूपारध्दक्षिण दरवाजा की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। सोनूपार–डारीडीहा की तरफ किसी भी वाहन को नहीं जाने दिया जाएगा। कांवड़ियों के वाहन भी होंगे डायवर्ट फुटहिया–नगर, कलवारी, कप्तानगंज से कांवड़ियों के वाहनों को डायवर्ट कर वापस किया जाएगा। शहर क्षेत्र में बडेबन से प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। पटेल चौक–पचपेडिया रोड पर किसी वाहन को प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। हर्दिया चौराहा– सोनहा तथा रुधौली से आने वाले वाहनों को पटेल चौराहे की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। पॉलिटेक्निक चौराहा–पांडेय बाजार की तरफ जाने वाले वाहनों को रोक कर वापस चौनपुरवा की तरफ जाने दिया जाएगा। हड़िया चौराहा–परसा जाफर मेंहदावल की तरफ से आने वाले कांवड़ियों के वाहनों को रेलवे स्टेशन की तरफ न जाने देकर वापस किया जाएगा।

ढर्रे पर नहीं आ रही आपूर्ति... शहर से गांव तक गुल हो रही बिजली

बस्ती (संवाददाता)। भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति व्यवस्था ढर्रे पर नहीं आ रही है। विद्युत निमग शेड्यूल के अनुसार आपूर्ति का दावा भले ही करें, मगर शहर से लेकर गांव तक बिजली गुल हो रही है। जिले भर में एक दिन में 70 से 80 लोकल फाल्ट की समस्या दर्ज की जा रही है। इसके चक्कर में घंटों बिजली कट रही है। शहरी क्षेत्र में रह–रहकर बिजली गुल हो जा रही है। 24 घंटे में प्रत्येक फीडर से चार से छह बार आपूर्ति बाधित हो रही है। इससे घरों में लोग उसम भरी गर्मी से बेचौन हो जा रहे हैं। रविवार को आवास विकास, बैरियहवां, पुरानी बस्ती, गॉधीनगर आदि क्षेत्र कई बार बिजली कटी है। इस दौरान लोकल फाल्ट ठीक करने में कर्मचारियों के पसीने छूट रहे थे। रुधौली संवाद के अनुसार, कस्ब में शुक्रवार की देर रात विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। इसे ठीक करने में 12 घंटे से अधिक का समय लग गया। शनिवार की शाम को आपूर्ति बहाल हो पाई। कुछ ही देर के बाद शनिवार की रात फिर आपूर्ति बाधित हो गई। लगातार कटौती होने हाहाकार मच गया। गर्मी से व्याकुल उपभोक्ता नाराज हो गए। गुस्साएं लोगों ने रविवार को रुधौली उपकेंद्र पर घेराव कर दिया। कहा कि 17 घंटे तक आपूर्ति बाधित होने के बाद किसी तरह बिजली मिली तो दोबारा शनिवार की रात 12 बजे ट्रांसफॉर्मर ने फिर धोखा दे दिया। उपकेंद्र कर्मचारियों ने बालेश्वरी नगर वार्ड में लगे 400 केवी ट्रांसफॉर्मर खराब होने की सूचना एसडीओ अनंत यादव को दी। वह एक एक्सपर्ट के साथ मौके पर पहुंचे। एक्सपर्ट ने भी ट्रांसफॉर्मर खराब बताया तब उन्हें यकीन हुआ। एसडीओ ने बताया कि मुख्यालय से दूसरा ट्रांसफॉर्मर मंगवाया गया है। शीघ्र आपूर्ति बहाल कराई जाएगी। इस मौके पर गोपाल सिंह, हेमंत जायसवाल, दीपू गुप्ता, दिनेश चौरसिया, राजकुमार सोनी आदि मौजूद रहे।

मारपीट में तीन पर केस, दूसरे पक्ष ने दी तहरीर

सल्टौआ (संवाददाता)। सिसवा बुजुर्ग गांव निवासी राम मूर्ति ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि रविवार की शाम करीब 6:30 बजे जमीन के विवाद में गांव के अभिषेक तिवारी, आकाश तिवारी व रितेश तिवारी ने मिलकर भानपुर बाजार में लाठी–डंडे से मारपीट कर घायल कर जानमाल की धमकी दी। पुलिस ने तीनों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष के रितेश तिवारी ने आरोप लगाया कि शाम करीब 7 बजे सोनहा बाजार से लौटते समय गांव के भवानी शंकर, राममूर्ति, अनिल दूबे व विजय नाथ ने बैडवा पुलिया के पास बाइक रोककर लाठी–डंडे, हाथ–पैर से जमकर मारापीटा। राहगीरों ने उसे बचाया। आरोप लगाया कि प्रार्थनापत्र देने के बाद भी पुलिस ने उनके साथ भेदभाव किया। पुलिस ने एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए प्रार्थी परकेस दर्ज कर लिया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए गुलाबी गैंग की महिलाओं ने किया वृक्षारोपण

फतेहपुर। बहुआ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सुजानपुर में हेमलता पटेल के नेतष्त्व में महिलाओं ने वष्हद व्रक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। जहां पर्यावरण को स्वच्छ व हरा भरा बनाए रखने हेतु नए पौधों का रोपण कर उनकी सेवा एवं देखभाल का संकल्प लिया गया। वष्क्षारोपण कार्यक्रम का नेतष्त्व कर रहीं सुजानपुर ग्राम प्रधान व बहुआ ब्लॉक प्रधान संघ की अध्यक्ष हेमलता पटेल ने पर्यावरण के प्रति महिलाओं को जागरूक किया व अधिक से अधिक वष्क्ष लगाने हेतु महिलाओं को प्रेरित करते हुऐ पौधों का वितरण किया। गुलाबी गैंग लोकतांत्रिक की पर्यावरण के प्रति सकारात्मक पहल एवं स्व. राजीव गांधी वष्क्षारोपण अभियान के तहत संयुक्त रुप से पौधे लगाए गए। इस दौरान अध्यक्ष हेमलता ने कहा कि प्रकृति हमारे लिए आराध्य है, प्रकृति हमारा आभूशण है। हमें पर्यावरण के संरक्षण व संवर्द्धन के लिए एकमत होकर कार्य करना चाहिए। बारिष के मौसम के चलते पौधों की ग्रोथ अच्छी प्रकार से हो सकेगी इसलिए हमारी अपील है कि एक एक वष्क्ष जरुर लगाए। जिससे तपती हुई गर्मी से राहत, स्वच्छ हवा और पर्यावरण का संरक्षण होने से बेहतर भविश्य का निर्माण हो सके। इस दौरान सरला सिंह, राजरानी, सुमन, अंजना, रानी, प्रियंका, संयोगिता, मधू, सुधा, रेखा, रंजना सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

पूर्व विधायक व ब्लॉक प्रमुख ने किया पौधारोपण

(संवाददाता)

फतेहपुर। हसवा कस्बे के ऐतिहासिक रानी तालाब में पूर्व विधायक विक्रम सिंह और हसवा ब्लॉक प्रमुख विकास पासवान मंगलवार के दिन में रानी तालाब के परिसर में पौधारोपण किया। वही पूर्व विधायक ने ग्रामीणों को पौधे वितरण करते हुए कहा कि सबसे बड़ा कार्य है कि जो भी व्यक्ति अपने खेतों में खाली पड़ी जमीन पर एक एक पेड़ अवष्य लगाएं। साथ ही साथ अधिकारियों कर्मचारियों से पूर्व विधायक विक्रम सिंह ने अपील किया स्वयं भी तथा दूसरों से भी एक–एक पौधा लगाने की अपील करें तथा जल्द ही एक पौधा रोपित कर दें जिससे धीरे–धीरे पर्यावरण को हरा भरा बनाया बनाया जा सके। हसवा ब्लॉक प्रमुख विकास पासवान ने कहा कि धीरे–धीरे पेड़ों की संख्या कम होने के कारण पर्यावरण भी दूशित हुआ है तथा गर्मी के दिनों में अधिक गर्मी पड़ रही है। जिसकी वजह से पर्यावरण संतुलन करने और पर्यावरण को हरा भरा करने के लिए हम सभी को पौधारोपण करना होगा। आज ही हम सभी षपथ ले कि अपने–अपने घर की आस–पास तथा खाली स्थान में पौधारोपण करें।जिससे पर्यावरण को हरा भरा और स्वच्छ बना सकें। वहीं वन क्षेत्रीय अधिकारी रूप सिंह ने बताया कि ऐतिहासिक रानी तालाब में सौ पेड़ों में बरगद, पीपल, आवला, आनार सहित अन्य किस्म के पौधे वितरण किया गया है। ग्रामीणों ने भी भरोसा दिलाया कि जल्दी ही एक या एक से अधिक पौधे रोपित करेंगे और पर्यावरण को हरा–भरा बनाएंगे।पौधारोपण के अवसर पर पूर्व विधायक विक्रम सिंह ब्लॉक प्रमुख हसवा विकास पासवान, वन क्षेत्रीय अधिकारी रूप सिंह,वन दरोगा रामराज, एडीओं पंचायत कौषलेन्द्र सिंह, अंषू सिंह, प्रिषू सिंह, कौषलेन्द्र किषोर पाडेय, पूरन सिंह, अषोक सिंह, आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्व. शिव सचान के जन्मदिवस पर भण्डारे का आयोजन

फतेहपुर। अवंतीबाई चौराहे में षिवाजी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूषन के संस्थापक स्वर्गीय षिवकुमार सचान के जन्मदिन के अवसर पर विषाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में आने जाने वाले लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान पटेल इंटर कॉलेज लिल्स बगिया के प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह ने बताया की षिवाजी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूषन के संस्थापक स्वर्गीय षिवकुमार सचान की जयंती को प्रतिवर्श मनाया जाता है और इस दौरान षिवाजी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूषन के सभी संस्थाओं में भंडारे का आयोजन किया जाता है।जिसके तहत तमाम आने जाने वाले लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं उन्होंने कहा की षिवकुमार सचान ने जिस तरीके से षिवाजी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूषन की नींव डाली थी उसी के चलते उनके तमाम अलग–अलग संस्थानों में लोग पढ़ रहे हैं और देष में अपना नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सदर अस्पताल चौराहे का नाम जागेश्वर प्रसाद चौक रखने की मांग

फतेहपुर (पंकज मौर्य)। जिला अभिभावक संघ ने नगर पालिका अध्यक्ष एवं समस्त सभासद की ओर से प्रशासन से मांग की है कि जिला अस्पताल सदर के सामने स्थित चौराहे का नाम पूर्व स्वास्थ्य मंत्री स्वर्गीय जागेश्वर प्रसाद के नाम पर किया जाए जैसा कि हमारे जनपद का जिला अस्पताल की सुविधा देने वाली पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजेश्वर प्रसाद की देन है स्व0 जागेश्वर प्रसाद बेहद इमानदार संघर्षशील व जन प्रिय जनप्रतिनिधि थे जब भी जिला अस्पताल की चर्चा होती है तो स्वर्गीय जागेश्वर प्रसाद का नाम लिया जाता है जन भावनाओं को देखते हुए स्वर्गीय जागेश्वर प्रसाद के सम्मान में उक्त चौराहे का नाम स्वर्गीय जागेश्वर प्रसाद चौराहा रखा जाए जन भावनाओं का सम्मान करते हुए उक्त प्रस्ताव पर एक महत्व का समस्त होंगे और सहमत मिलने पर हम जन सहयोग से युक्त चौराहे पर स्वर्गीय जागेश्वर प्रसाद की मूर्ति स्थापित करेंगे। इस अवसर पर दीपक कुमार, फूल सिंह मौर्य, इंद्रजीत यादव, रविंद्र यादव, इंद्रजीत पासी, मुलायम सिंह यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस बल के बीच तोड़ा गया अतिक्रमण

बिंदकी, फतेहपुर। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी द्वारा अतिक्रमण को तोड़ा गया अतिक्रमण तोड़ने के दौरान कई बार कहा सुनी भी हुई इस मौके पर पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा राजस्व विभाग के भी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। बुधवार को नगर के ललौली रोड मोहल्ला स्थित मैनी कुआं के समीप भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी द्वारा अतिक्रमण को तोड़ा गया अतिक्रमण तोड़ने के दौरान पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी कर्मचारी राजस्व टीम के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे अतिक्रमण तोड़ने के दौरान कई बार कहा सुनी और नोक झोंक हुई बताते चलें कि एक सप्ताह पहले इसी स्थान पर अतिक्रमण हटाया गया था बाकी अतिक्रमण हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था उसी क्रम में बुधवार को एक बार फिर अतिक्रमण को तोड़ने का काम किया गया इस मौके पर पीडब्ल्यूडी विभाग के सहायक अभियंता अरुण कुमार सक्सेना, सहायक अभियंता संतोश कुमार कनौजिया, अवध अभियंता अजीत सिंह, नायब तहसीलदार अरविंद कुमार, राजस्व निरीक्षक रघुराज सिंह, लेखपाल भान सिंह, लेखपाल अजीत उमराव, लेखपाल वीरेंद्र श्रीवास्तव तथा भारी पुलिस बल के साथ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडे, कस्बा इंचार्ज नीरज कुषवाहा मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने पीएम आवास योजना के तहत मांगा आवास

फतेहपुर। सिविल अधिवक्ता मंच के तत्वाधान में जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राश्ट्रपति, प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री के नाम ज्ञापन प्रेशित किया गया। इस दौरान प्रदेष व देष में महंगाई बेरोजगारी में बढ़ती आबादी तथा नौकरी व्यवसाय व घटती आए के षिकार किसान मजदूर की समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया गया। इस दौरान इन लोगों ने कहा कि वर्तमान में सबसे अधिक बौद्धिक समाज के अधिवक्ताओं के समस्याओं से त्रस्त है। प्रत्येक जिले में जितने ग्राम सभाए रजिस्टर्ड हैं। उसके चार गुना अधिवक्ताओं के समाज की बढ़ोतरी हो चुकी है। प्रत्येक दिन 80: अधिवक्ता बिना किसी आए के घर वापस जाते है। वहीं 60: अधिवक्ता के पास खुद का भवन जिला एवं तहसील क्वार्टर में नहीं है। अधिवक्ता 6 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रेशित किया। जिसमें 5 वर्श के अंदर के प्रैक्टिस अधिवक्ताओं को अधिवक्ता निधि के रूप में कम से कम 5000 के आर्थिक मदद प्रतिमाह दी जाए। प्रत्येक अधिवक्ता को प्रधानमंत्री षहरी आवास योजना व प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत आवास मुहैया कराया जाए सहित 6 सूत्रीय मांगों को उठाया गया।इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में प्रांत संयोजक आरपी मौर्य, श्रीकृश्णा गुप्त, वीरेंद्र बहादुर पासवान,अजीत सिंह यादव, अरुण कुमार रावत, सुषील कुमार, सुनील कुमार गुप्ता, संतोश कुमार, रणजीत सिंह, ष्याम प्रकाष, मयंक यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हम सबने यह ठाना है पानी हमें बचाना है : योगेश पाडेय

फतेहपुर। चयनित संस्था एक्षन फॉर रूरल डेवलपमेंट ने विकास खण्ड भिटौरा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। खण्ड विकास अधिकारी षकील अहमद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खंड विकास अधिकारी षकील अहमद, सहायक विकास अधिकारी पंचायत षांति षरण सिंह, खंड षिक्षा अधिकारी श्रीमती दीप्ति रिचारिया, सीडीपीओ माधुरी देवी, मुख्य सेविका कलावती ने टीमों को हरी झंडी दिखाकर ग्राम पंचायतो के लिए रवाना किया। एड़ीपीसी योगेष पाण्डेय ने बताया कि साफ पानी के लिए लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा हैं। विकास खण्ड भिटौरा मैं विभिन्न गतिविधियों नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता मेला, पेयजल एवं जल प्रबंधन समिति की बैठक, स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति की बैठक, प्राथमिक एवं अपार प्राथमिक एवं निजी विद्यालयों में स्वच्छता क्लब का गठन, एवं आर्ट प्रतियोगिता तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर समूह क्षमता वृद्धि कार्यक्रम को व्यापक रूप से चला कर लोगों को जागरूक किया गया हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर सार्वजनिक स्थानों पर वॉल राइटिंग तथा कार्यषाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था के डीपीसी सरताज अनवर, एडीपीसी सोनू कुमार, एडीपीसी बबीता गौतम, एडिटर योगेंद्र कुमार, एडिटर अजीम, एडिटर विजय कुमार, एडिटर अंकुर, अभिशेक वर्मा, अनिल कुमार, अरविंद यादव, पंकज यादव, कनकलाता, राम जनक, निराला संस्था के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम को आंगनबाडी कार्यकत्री ने सौंपा ज्ञापन

(संवाददाता)

फतेहपुर। फरीदपुर की रहने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्री रेहाना परवीन ने जिला अधिकारी के नाम ज्ञापन प्रेशित किया। जिसमें कहा की प्रार्थिनी बाल विकास परियोजना खजुआ के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र फरीदपुर में बताौर आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पद पर कार्यरत है। प्रार्थिनी के केंद्र पर संस्कार प्रेरणा लघु उद्योग बिन्दकी से 0 से 3 वर्श, 3 से 6 वर्श,गर्भवती धात्री,किषोरी बालिका को विभिन्न प्रकार से निर्मित पुश्टाहार हर लाभार्थियों को जो खिलाने हेतु प्राप्त होता है वह लाभार्थियों को संख्या के अनुपात में संस्कार प्रेरणा लघु उद्योग इकाई द्वारा नहीं दिया जा रहा है। जबकि उन्होंने आरोप लगाया कि उनके केंद्र में पंजीकृत लाभार्थी अधिक है और सर्वे भी ज्यादा है 2000 की आबादी का सर्वे है और पुश्टाहार कम दिया जा रहा है। रेहाना परवीन ने जिलाधिकारी से कहा कि उनके केंद्र पर पंजीकृत संपूर्ण लाभार्थियों के वितरण हेतु पुश्टाहार दिया जाए और उसकी जांच करवाकर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई किया जाए।

श्री रामलीला कमेटी की बैठक में दशहरा महोत्सव पर चर्चा

बिंदकी, फतेहपुर। हवन पूजन उपरांत श्री रामलीला कमेटी बिंदकी की एक बैठक हुई जिसमें आगामी दषहरा महोत्सव की तैयारी पर चर्चा हुई। मौजूद लोगों को अलग–अलग जिम्मेदारी सौंप गई तय किया गया कि दषहरा महोत्सव को भव्य बनाया जाएगा। बुधवार को नगर के रामलीला मैदान के समीप स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में श्री रामलीला कमेटी बिंदकी की एक बैठक हुई बैठक में आगामी 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक चलने वाले पांच दिवसीय दषहरा महोत्सव पर चर्चा की गई मौजूद पदाधिकारी तथा सदस्यों को अलग–अलग जिम्मेदारी सौंप गई बैठक में बताया गया की 12 अक्टूबर को अहंकारी रावण का वध होगा बैठक में मौजूद लोगों ने अपने–अपने विचार प्रकट किया।

बलात्कार व पास्को एक्ट का वांछित गिरफ्तार

(संवाददाता)

जहानाबाद, फतेहपुर। थाना जहानाबाद क्षेत्र में 01 अपहरण एवं बलात्कार तथा पास्को ऐक्ट दो वर्श पूर्व से चल रहे वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार। जानकारी अनुसार कस्बा जहानाबाद से मोहल्ला मलिकपुर निवासी एक पीड़िता ने 19 फरवरी 2024 को तहरीर देते हुए अभियोग पंजीकृत कराया था कि उसकी नाबालिक पुत्री को दीपक कुमार ग्राम जोगापुर थाना बिंदकी फतेहपुर ने उसका अपहरण कर लिया है। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर लड़की को 29 जुलाई 2024 को जहानाबाद बस स्टैंड से बरामद करते हुए उससे जानकारी हासिल की और अग्रिम विधिक कार्रवाई को पूर्ण किया। थाना जहानाबाद से उप निरीक्षक प्रवीण यादव पुलिस हमराह बल के साथ सुबह गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर उपरोक्त आरोपी अभियुक्त को साढ़ रोड स्कूल के समीप घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार कर स्थानीय थाना पहुंच पूछताछ किया। मुकदमा अपराध संख्या 22/2024 धारा 363/366/376(3) भा0द0वि0 व 5/6 पॉक्सो एक्ट से सम्बंधित वांछित अभियुक्त दीपक उर्फ कपिल पुत्र संतोश उर्फ सौखीलाल उम्र 22 वर्श निवासी जौगापुर थाना बिंदकी जनपद फतेहपुर को कार्यवाही वाद गिरफ्तार कर उसे न्यायालय फतेहपुर के समक्ष पेष करने हेतु रवाना किया। थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार द्विवेदी ने बताया कि 2 वर्श पूर्व अपहरण एवं बलात्कार तथा पास्को ऐक्ट में चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्यवाही बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेष करने हेतु फतेहपुर भेजा गया है।

बतकही
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भूपेंद्र सिंह द्वारा दिशेरा प्रेस, श्याम नगर, खम्भापुर, फतेहपुर से मुद्रित तथा ग्राम– रामपुर पचभिटा, मकान नं. 193, पोस्ट– दावतपुर, थाना–मलवां, जिला– फतेहपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक
भूपेंद्र सिंह